भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
रक्षा उत्पादन विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2779
17 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए

स्वदेशी रक्षा विनिर्माण में विलंब

2779.श्री टी.एन.प्रथापन:

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्यातेजस लड़ाकू विमानों के उत्पादन सहित स्वदेशी रक्षा निर्माण में कोई देरी हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार के पास इस विलम्ब को दूर करने के लिए कोई ठोस रणनीति है;
(ग) यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं**,** तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार का मिस्र, अर्जेंटीना और अन्य देशों के साथ निर्यात समझौतों को सुविधाजनक बनाने का कोई विचार है क्योंकि एचएएल द्वारा तेजस का उत्पादन घरेलू लक्ष्यों से कम है; और
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अगले तीन वर्षों के दौरान रक्षा निर्यात को तिगुना करने के लिए सरकार का क्या विचार है?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क) से (ग):हल्का लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस एकल इंजन, कम भार,अत्यधिक दक्षबहु भूमिका वाला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान है। इसमें संबद्ध उन्नत उड़ान नियंत्रण नियमों सहित चौतरफा डिजिटल फ्लाई-वाई-वायर उड़ान नियंत्रण प्रणाली (एफसीएस) है। एलसीए-तेजस के डिजाइन एवं विकास के लिए वैमानिक विकास एजेंसी (एडीए) कार्यक्रम प्रबंधन एजेंसी है। प्रारंभिक प्रचालन प्रमाण-पत्र (आईओसी) और अंतिम प्रचालन प्रमाण-पत्र (एफओसी) प्राप्त करने की जिम्मेदारी एडीए की है। एचएएल तेजस का डिजाइन भागीदार और उत्पादन एजेंसी है तथा एचएएल द्वारा विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना की गई है।

एचएएल ने एडीए से दिसंबर, 2013 मेंआईओसीके प्राप्त होने के बाद इस विमान का उत्पादन शुरू किया है। प्रथम श्रृंखला में उत्पादित विमान नेआईओसीप्राप्त होने के एक वर्ष के भीतर 30 सितंबर, 2014 को उड़ान भरी थी। 16 तेजसआईओसीलड़ाकू विमानों का उत्पादन मार्च 2019 में पूरा हो गया था। तेजस एफओसीलड़ाकू विमान का उत्पादन एडीएसे फरवरी, 2019 में एफओसीप्राप्त होने के बाद शुरू किया गया था और 16 तेजसएफओसीलड़ाकू विमानों का उत्पादन सितंबर, 2022 में पूरा हो गया था।

एचएएलउत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 24 विमान प्रति वर्ष करने के लिए एचएएल, नासिक प्रभाग में तीसरी उत्पादन लाइन भी स्थापित कर रहा है।

एचएएलने एलसीएतेजस के विनिर्माण के लिए एक सुव्यवस्थित स्तरीय आपूर्ति कर्ता आधार द्वारा समर्थित पर्याप्त उत्पादन क्षमता से युक्त एक समर्पित उत्पादन प्रभाग की स्थापना की है और यह हमारी सेनाओं एवं निर्यात संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने सक्षम है।

(घ) और (ड.): भारत सरकार का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक 35,000 करोड़ रुपए मूल्य का रक्षा निर्यात अर्जित करना है। जहां तक विभिन्न देशों के साथ किए गए निर्यात संबंधी समझौतों के बारे में सूचना का संबंध है, संवेदनशील स्वरूप के होने के कारण इसे साझा नहीं किया जा सकता है।

*****